OUR PUBLICATIONS

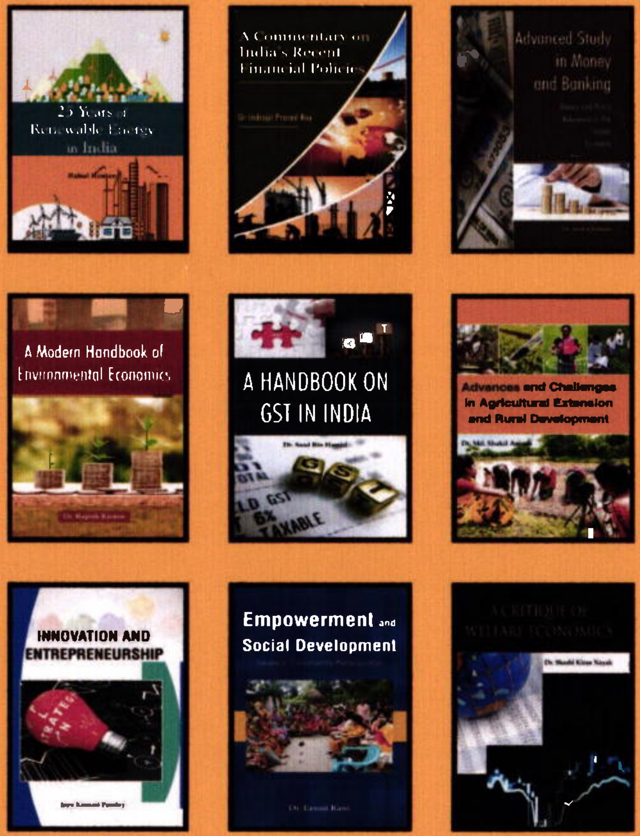

Globus Press
448, Pocket-V, Mayur Vihar, Phase-I, Delhi-110091 (INDIA)
Ph.: 011-22753916

ISSN 0975-119X
UGC-CARE GROUP I LISTED
वर्ष 12 अंक 6 नवंबर-दिसंबर 2020

दृष्टिकोण

कला, मानविकी एवं वाणिज्य की मानक शोध पत्रिका

India's Leading Referred Hindi Language Journal

IMPACT FACTOR : 5.051

Seth R.C.S Arts & Commerce College DURG Chhattisgarh
Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm. College
DURG (C.G.)
12

दृष्टिकोण

भारतीय राजनीति के मुखौटे को बेनकाब करती धूमिल की कवितायें—डॉ० शंकर शर्मा 1580

गोंड राजाओं के शासन का प्रतीक : देवगढ़ का किला—प्रो० बिंदिया महोबिया 1584

प्रवासी हिंदी कथा साहित्य में स्त्री सार्वभौमिकता—नीलम सागर 1589

हिमाचल के कुल्लू जनपद की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि—हेम राज 1592

हिंदी के प्रमुख दलित आत्मकथाओं का परिदृश्य—सिद्धलिंग गंगु; डॉ० सविता तिवारी 1594

गोस्वामी तुलसीदास कृत 'रामचरितमानस' में चित्रित पारिवारिक सद्भाव—डॉ० बिजेंद्र कुमार 1597

सूर्यबाला जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व—प्रकाश मानू जाधव; डॉ० सविता तिवारी 1602

मुगल काल में फारसी साहित्य-संस्कृति—डॉ० मो० मोतिउर रहमान खान 1606

डाक टिकट पर पानी—विनय पटेल 1610

छत्तीसगढ़ में ई-गवर्नेस से प्रशासनिक विकास पर प्रभाव व चुनौतियां (गरियाबंद जिले के विशेष संदर्भ में)
—अदिति तलवरे; डॉ० प्रमोद यादव 1614

आदर्श मित्र और मित्रता के सन्दर्भ में रहीम—प्रो० मन्जुनाथ एन० अंबिग 1617

हिन्दी कविता में यायावर 'श्री गुरु नानक देव'—डॉ० सुनीता शर्मा 1621

जनपद अल्मोड़ा में पर्यटन का विकास, सम्भावनाएं तथा समस्याएं, कुमाऊँ हिमालय, उत्तराखण्ड—महेन्द्र सिंह; डॉ० दीपक 1627

लोक साहित्य का स्वरूप एवं वर्गीकरण : एक विश्लेषण—ममता कुमारी 1637

भूमि उपयोग का मानव जीवन पर प्रभाव : - उदयपुर जिले का एक भौगोलिक अध्ययन—कैलाश चन्द्र मीणा 1642

भारतीय इतिहास में व्यापारिक संघर्ष विशेष संदर्भ :- ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी का व्यापार विस्तार—डॉ० (श्रीमती) अंजू कुमारी 1645

भारत में बाल मानव अधिकारों का संरक्षण: एक अनुशीलन—सहदेव सिंह चौधरी 1650

भारत-मध्य एशिया गणराज्य: चुनौतियाँ और संभावनाएँ—गुरदीप सिंह 1655

Principal
Seth R.C.S. Arts & Commerce College

12

छत्तीसगढ़ में ई-गवर्नेंस से प्रशासनिक विकास पर प्रभाव व चुनौतियां (गरियाबंद जिले के विशेष संदर्भ में)

अदिति तलवरे

शोधार्थी, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग, छत्तीसगढ़

डॉ० प्रमोद यादव

विभागाध्यक्ष (राजनीति विज्ञान विभाग) सेठ.आर.सी.एस. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्रस्तुत शोधपत्र में छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में ई-गवर्नेंस से प्रशासनिक विकास पर प्रभाव व चुनौतियों का विश्लेषण किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं और अपने राज्य के सभी सरकारी कामों को आनलाईन से जोड़ने का रोड मैप तैयार किया है। ई-गवर्नेंस के बदौलत आज प्रशासन के कामों को पारदर्शिता के साथ-साथ कम समय में भी किया जा सकता है। राज्य सरकार ई-गवर्नेंस को धीरे-ध ीरे हर जगह पर लागू करने का प्रयास कर रही है, जिसके चलते ज्यादातर कामों को राज्य के नागरिक आसानी से अपना समय बचाते हुए घर बैठे करवा सकते हैं तथा अधिकतर सरकारी कामों को इंटरनेट की मदद से किया जा सकता है।

प्रस्तावना

सरकार की आम नागरिकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं को इंटरनेट के माध्यम से उपलब्ध कराना ई-गवर्नेंस या ई-शासन कहलाता है। इसके अन्तर्गत शासकीय सेवाओं और सूचनाएं आनलाईन उपलब्ध होती है। भारत सरकार ने इलेक्ट्रानिक विभाग की स्थापना 1970 में की और 1977 में नेशनल इनफार्मेटिक्स सेंटर की स्थापना ई-शासन के दिशा में पहला कदम था।

नागरिकों और अन्य हितधारकों के लिए सार्वजनिक सेवाओं के वितरण को बदलने के संदर्भ में हाल के समय में महत्वपूर्ण कदम में से एक है। आमतौर पर यह सरकार से नागरिकों, कर्मचारियों और सरकारों के लिए सरकार की जानकारी और सेवाएं प्रदान करने के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के संदर्भ में है। इस पृष्ठभूमि में ई-सरकार अक्षमता भ्रष्टाचार और नौकरशाही को खत्म करने और सेवाओं के वितरण में प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने को एक तकनीकी संबलता के तौर पर देखा जा रहा है।

शोध अध्ययन का उद्देश्य:-

1. अध्ययन क्षेत्र में ई-गवर्नेस की स्थिति का अध्ययन करना।
2. छत्तीसगढ़ सरकार के ई-गवर्नेस योजनाओं का अध्ययन करना।
3. जमीनी स्तर पर व प्रशासन के बीच कार्य करने वालों के बीच में ई-गवर्नेस की गरियाबंद जिले के वास्तविक स्थिति का अध्ययन करना।
4. आम जनता तक सुलभ एवं त्वरित सूचना पहुंचने की वास्तविक स्थिति को जानना।
5. ई-गवर्नेस में आने वाली समस्याओं से अगवत कराते हुए उनके उपायों को विश्लेषित करना।

अध्ययन क्षेत्र का संक्षिप्त परिचय

ब्रिटिश काल के दौरान गरियाबंद जिला महासमुन्द तहसील के अंतर्गत आता था। प्रारंभ में बिन्द्रानवागढ़ तहसील के नाम से गरियाबंद जिले का अस्तित्व था। प्रशासनिक सुविधाओं का जनसामान्य तक पहुंच को विस्तारित करने के उद्देश्य से क्रमशः फिंगेश्वर, छुरा, देवभोग एवं मैनपुर तहसील, उप तहसील में विभाजित हुआ है। बिन्द्रानवागढ़ के प्रमाणिक दस्तावेज पर्याप्त उपलब्ध नहीं है, पर जनश्रुति और कतिपय प्रमाणों के अनुसार आदिवासी राजाओं जमींदारों का प्रशासनिक क्षेत्र रहा है।

बिन्द्रानवागढ़ और गरियाबंद मुख्य प्रशासनिक क्षेत्र रहे। गोंड़ आदिवासी राजा ने अपनी राजधानी 1901 में छुरा स्थानांतरित किया। इस अवधि में फिंगेश्वर की जमींदारी घाट खाल्हे के 82 ग्रामों सहित शासित होते रहे। राजिम में मराठा शासकों के नियंत्रण में जमींदारियां बनी। पाण्डुका क्षेत्र में साहू लोगों की जमींनदारियां बनी, पण्डित सुन्दरलाल शर्मा की मुख्य कार्य स्थली राजिम क्षेत्र थी।

Seth R.C.S. Arts & Commerce DURG Chhattisgarh

Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm. College
DURG (C.G.)

01 जनवरी 2012 को अस्तित्व में आया गरियाबंद जिले का समारोहपूर्वक शुभारंभ 11 जनवरी 2012 को मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह द्वारा किया गया। 5 हजार 822.861 वर्ग मिलोमीटर क्षेत्र में फैला यह जिला प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण है। उत्तर में पैरी एवं सोढूर नदी यहां से प्रवाहित होती है तथा राजिम में मिलकर त्रिवेणी संगम बनाती है।

ओड़िसा राज्य की सीमा का निर्माण करते हुए तेल नदी प्रवाहित होती है। जिले के प्रमुख तीर्थ स्थल राजिम जिसे छत्तीसगढ़ का प्रयागराज भी कहा जाता है, में हर साल माघ पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक कुंभ मेला का आयोजन किया जाता है।

गरियाबंद जिले के पांच तहसीलों का भौगोलिक क्षेत्रफल

1. गरियाबंद तहसील क्षेत्रफल - 726.12 वर्ग किलोमीटर
2. छुरा तहसील क्षेत्रफल - 714.62 वर्ग किलोमीटर
3. मैनपुर तहसील क्षेत्रफल - 670.52 वर्ग किलोमीटर
4. देवभोग तहसील क्षेत्रफल - 301.53 वर्ग किलोमीटर
5. राजिम तहसील क्षेत्रफल - 474.27 वर्ग किलोमीटर

अध्ययन पद्धतियां

शोध की अध्ययन पद्धति को निम्नांकित भागों में विभक्त किया गया है:-

1. प्राथमिक स्त्रोत 2. द्वितीयक स्त्रोत

1. प्राथमिक स्त्रोत:- प्राथमिक स्त्रोत के अंतर्गत प्रश्नावली तैयार करना एवं अध्ययन क्षेत्र के अन्तर्गत 125 उत्तरदाताओं से उनका अभिमत प्राप्त करना, विश्लेषण करना, चयनित करना गरियाबंद के 5 विकासखण्डों में से प्रत्येक विकासखण्ड के चयनित 25 उत्तरदाताओं का चयन करके साक्षात्कार लिया जायेगा। अध्ययन क्षेत्र में निवासरत सभी श्रेणी को सम्मिलित किया गया है एवं संबंधित शोध क्षेत्र की जानकारी प्राप्त कर अवलोकन व सर्वेक्षण के आधार पर विश्लेषण किया गया।

(अ) सेम्पलिंग - निर्दशन सामाजिक अनुसंधान एवं सर्वेक्षण की आधारशिला है। किसी भी प्रकार का अध्ययन करने से पूर्व अनुसंधानकर्ता को यह करना होता है कि वह समूह के सभी सदस्य से संपर्क स्थापित करके तथ्यों का संकलन अथवा उनमें से कुछ सदस्यों को प्रतिनिधि के रूप में चुनकर उसका अध्ययन किया गया । यह सैम्पलिंग एवं रैण्डम सेम्पलिंग विधि द्वारा तैयार किया गया है।

इस प्रकार क्षेत्र से अनुसंधान संबंधी आंकड़े को दो प्रकार से एकत्रित किये गये हैं:-

(1) गणना विधि द्वारा (2) निर्दशन विधि द्वारा

इस प्रकार गणना विधि अध्ययन विषय से संबंधित क्षेत्र तथा उनके सभी इकाईयों का अध्ययन किया गया है। निदर्शन में समग्र में से कुछ इकाइयों को प्रतिनिधि के रूप में चुन लिया गया और उनके संबंध में आवश्यक जानकारियां प्राप्त की गई है।

संशोधित अध्ययन हेतु अध्ययन क्षेत्र के विकासखंड के विभिन्न वर्ग से संबंधित व्यक्तियों का चुनाव बहुस्तरीय निर्दशन के द्वारा किया गया है। विकासखंडों के व्यक्तियों का चुनाव उद्देश्यपूर्ण तथा उन्हीं मे से अध्ययन हेतु चुनी गई उत्तरदाताओं का चुनाव दैव निदर्शन के द्वारा किया गया है।

चयनित उत्तरदाता	*पुरूष*	*महिला*	*कुल*
गरियाबंद तहसील	8	17	25
छुरा तहसील	15	10	25
मैनपुर तहसील	18	7	25
देवभोग तहसील	17	8	25
राजिम तहसील	14	11	25

सर्वे प्रश्नावली व साक्षात्कार अनुसूची का विश्लेषण

प्र-1 क्या आपको ई-प्रशासन की जानकारी किसी सरकारी व्यक्ति द्वारा मिली?

प्र-2 क्या आप इस बात से सहमत है कि गरियाबंद जिले में ई-प्रशासन की स्थिति अन्य जिलों से अच्छी है?

प्र-3 क्या ई-गवर्नेस से आम व्यक्ति अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो रहा है।

प्र-4 आपके विचार से क्या बढ़ती हुई प्रशासनिक जिम्मेदारियों के निवारण में ई-गवर्नेस की प्रणाली आवश्यक हो चुकी है?

प्र-5 क्या ई-गवर्नेस से शासकीय योजनाओं में बेरोजगारी का खतरा बना है?

प्र-6 आपके विचार से क्या ई-गवर्नेस से समाज में भ्रष्टाचार को कम किया जा सकता है।

प्र-7 अशिक्षित व्यक्ति ई-प्रशासन का उपयोग कर सकता है या नहीं?

Seth R.C.S. Arts & Commerce College DURG Chhattisgarh

Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm.
College Durg (C.G.)

प्र-8 क्या आप इस बात से सहमत है कि ई-प्रशासन के प्रयोग से प्रशासन में भाई-भतीजावाद समाप्त हो रहा है?

प्र-9 आपके विचार से क्या ई-गवर्नेंस से प्रशासन में पारदर्शिता आई है?

प्र-10 क्या आप इस बात से सहमत है कि ई-प्रशासन से प्रशासन के कार्यों एवं समस्या निराकरण में तेजी आई है?

उपरोक्त अध्ययन से यह बात सामने आई कि अधिकांश उत्तरदाताओं को ई-प्रशासन की जानकारी सरकारी व्यक्ति द्वारा मिली। अधिकांश उत्तरदाता इस बात पर सहमत थे कि ई-गवर्नेंस से लोग अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हुए हैं, यह एक त्वरित एवं पारदर्शी प्रक्रिया है, इससे भाई-भतीजावाद में कमी आयेगी। अधिकांश पुरूष इस बात पर असहमत है कि गरियाबंद जिले में ई-गवर्नेंस की स्थिति दूसरे जिले की अपेक्षा अच्छी है अपितु अधिकांश महिलाएं इससे सहमत दिखी। अधिकतर उत्तरदाता इस बात पर सहमत थे कि ई-प्रशासन से प्रशासन के कार्यों और समस्या निराकरण में तेजी आयी है।

निष्कर्ष

छत्तीसगढ़ राज्य सूचना एवं संचार तकनीकी का महत्व जीवन स्तर एवं आर्थिक विकास को सुधारने के लिए की गई पहल है, जिससे कार्य में तेजी, पारदर्शिता, लागत में कटौती, और पर्यावरण के लिए लाभदायक होगा। इसके प्रभाव से गरियाबंद जिला भी अछूता नहीं है। यह सरकार एवं जनता के बीच कुशलता और तेजी से संपर्क बनाने में मदद तो करता ही है साथ-साथ संतुष्टि स्तर को गुणवत्ता के शिखर तक भी पहुंचाने में भी मदद करता है। ई-प्रशासन नागरिकों को किसी भी समय कहीं भी सरकारी नीतियों पर अपने विचार और शिकायतों को साझा करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है। यही शासन की प्रासंगिकता को सार्थक करता है। परिवर्तनशील समय के अनुरूप शासन-प्रशासन की व्यवस्था को परिमार्जित स्वरूप में अपनाना एवं उसी के अनुसार कार्य का संपादन प्रशासन की सफलता में सदैव सहायक रहा है। गरियाबंद जिले में ई-गवर्नेंस की वर्तमान स्थिति सकारात्मक है। इस जिले में रहने वाले लोगों की जागरूकता इसका परिचायक है।

संदर्भ

1. त्रिपाठी संजय एवं त्रिपाठी श्रीमती चंदन: छत्तीसगढ़ वृद्ध संदर्भ: उपकार प्रकाशन आगरा।
2. इंटरनेट।
3. गरियाबंद जिले में साक्षात्कार के आधार पर।

Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm.
College Durg (C.G.)

Seth R.C.S. Arts & Commerce College
DURG
Chhattisgarh